क(अपने आप को सुरक्षित करने को कोशिश करना)
मेरा एक सच्चा ब्रह्मण मित्र था जो कि मुझे स्वामी विवेकानंद के बारे व्याख्यान करता था । और स्वामी रामतीर्थ रमकृष्णा परमहंस के बारे । मैने बताया कि हर एक को परमेश्वर यह मार्ग दिखाता है। ध्यान मार्ग, या ज्ञान द्वारा, जैसे कई नई सड़के शहर को मिलाती है ठीक उसी तरह सब धर्मो के मार्ग आप को परमेश्वर के पास ले जाएगें। यह बढ़ी समझ दारी के बिनती की गई । और प्रथम भक्ति परिक्षा मे प्राप्त किया । मै कढ़ी परिश्रम करता हूँ । मुक्ती को प्राप्त करने के लिए इस संसार में मै सख्त से सख्त परिश्रम करता हूँ । मै विश्वास करता हूँ कि टाट टीवी ए समट कुछ वह परमेश्वर के लिए आग को चिंगारी बनना । जो कि धुँधला है योगा के जरिये पहले अपने शरीर में उसे परिवर्तन में लाना। मेरे मित्र और मुझे यह जान कर बहुत खुशी है कि परमेश्वर यीशु एशिया मे पैदा हुए जो की अनेक धर्म शास्त्र के ज्ञाता मे मुख्य स्थान है। सब परमेश्वर के लिए परिश्रम करते है। मैने सोचना शुरु किया मेरे पिता जो बुजुर्ग आदमी है। वह प्रार्थना करने केलिए घुटना नह टेक सकते अदेश अनुसार क्रिसटीनो को हमेशा । इस

दिवाले से मायूसी ।
वहाँ आत्म विश्वास था। मेरे लिए मेरे जीवन के पापो को माफ करने का जब कभी मै कुछ अपने आप के लिए अच्छा रहता तो कठिनाईये अधिक हो जाती मेरे गर्व जीवन मे मेरे विचारो मे कोई सुधार नही था। मेरे माता पिता मुझसे बहुत प्यार करते थे मेरी बहने मुझ पर गर्व करती थी । मेरे भाई मुझे चाहते थे मेरे मित्र मेरा आदर करते थे। मेरे जीवन मे एक उत्तम वस्तु को परमेश्वर के लिए दूँगा । इन सभी चीजो ने मुझे सच्च मे खुशहाल नही बनाया, दुनिया मे हर वस्तु को विध्यार्थी पाना चाहता है। परमेश्वर जो चेतावनी मुझे देते है मै उसे ही चाहता हूँ। दुनिया को हर लाभ वस्तु पाकर अगर वह अपनी आत्मा को खो दे उससे क्या लाभ? अगर दुर्भाग्य वश मे आत्मा अंधेरे में होते तो मेरा स्वस्थ मेरा दिमाग भन्द हो जाए । तब मेरी आत्मा प्रयास को चोट यो पहुँच जाए गी । तो मै परमेश्वर के खिलाफ शिकायत करूँगा । अगर मै परमेश्वर नही हूँ? तो मुझे मेरे भाई और बहनो से बनाओ। इस तरह मुझे क्यो बनाया अगर मै खोज रहा हूँ।पर अब मै अच्छी तरह समझाया हूँ कि क्यों परमेश्वर ने ऐसे कष्ट । इस समय मेरे जीवन मे दिए? अगर यह सच नही है

कि सब एक ही समय मिल कर काम करें उनकी अच्छाई के लिए उनको प्रेम करें । मैंने बाईबल पढ़ना धर्मिक पुस्तके पढ़ना सब परमेश्वर के प्रार्थना में खो दिया ।
मुझे आत्म विश्वास नही है । इस दुनिया के सभी सुविधाओं को मैंने खो दिया, मेर प्रयास अच्छे अधिकार स्थान या धान से करना होगा । मै परमेश्वर मे हैरान हूँ । इस मृत्यु काल के लिए, मै कष्ठ से तड़पा अगर मै फिर बच्चा हो जाता , मै परमेश्वर के वरि । मैंने साचा मेरा शरीर, यास, रक्त जो परमेश्वर के भविष्य सूचक विचित्र है। टाय टवम असी हमने सोचना शुरु किया क्यों परमेश्वर का जीवन

करीब कोश ही रहा जब की उनकी उमर 30 वर्ष ही थी। अवश्य वह भारत आएगे और ऋषिसे समर्पक स्थापित करके का वचन निभाया धार्मिक उपदेश देने का ।
मेरे ब्राह्मण मित्र और मैंने आसन और पारायमा का अभ्यास शुरु किया।
और दिमाग के अधिकार से केन्द्रीत प्राप्त किया । हमने अपने आप को कमरे में बन्दकिया हमारी दृष्टी, नाक प्रतिमा को भयुही से फाककय किया । वह और हिन्द्र देवता, मुझे परमेश्वर के जरिए। जबकि मैंने याद दिलाया योगाभ्यास का पर्चार शाकाहारी प्याज़ को दूर करना औत्र मसालो को पीते समय, अब और तब में हमारे शरीर को दवहता। हमारी अभिलाषा तेज होती है। एक दिशा में चलाने केलिए अगर हमार शरीर कमजोर हो। मै कोशिश करूँगा । मनुष्य के अधिकार को कठिन न बनाए ।
मैंने गरीबो भीख माँगने वालो को भोजन कपड़े दिये। इसका मेरे मन में बहुत चोट है मै दुबारा जो एक दान शील से जुड़ना चाहता हूँ । मेरा मित्र कालेज़ का प्रथम वर्ष पूरा करना चाहता है । बनारस मे दाखिल होने आए है हिसाब केलिए । उसने कहा कि वहाँ 12 साल से योगा किया । अगर उसका संयोग से दिमाग में रोशनी थी । चिन्गारी घूए। गणित मे मुख्य उनसे भी कहा, अगर सयोग का साथ न दिया। उन्हो ने कोई उत्तर दायित्व न दिया इन 12 साल मे। तपस्या पर, वह डर कर घर चला गया। उसका स्वस्थ्य बिगड़ गया । जब जीवन के समय के दौरान पीछा किया । मेरे पिता ने कहना आराम किया, परमेश्वर परविश्वास के द्वारा ही कर सकते हो। अकेले तुम निर्माण नही कर सकते, यह परमेश्वर को देन थी । मैंने पिता जीसे बहस किया। कि क्रिस्टीनो

को देखो, कितना संघर्ष के साथ जो रहे है । फिर भी वह हिन्दुओ और मुहम्मदों से अच्छे रहते है ।

दूसरे लोग इसके बारे मे क्या कह रहे है । इन मुख्य 7 प्रश्नों के जवाब आपको हमेशा देने होगें।

मै बीस ाल से दानिएल हैन्डरसन को जानता हूँ, वह कैतलिक के कार्यो मे जीवन देकर आत्मिक तौर से दूसरो को मुख्मत्य देता है ।

इन सात मुख्य प्रश्नों के जवाब देने होंगे जो तुरन्त दूसरों के ख्यालात मे है। मै इसे ऊँचे दर्जे से मै इसकी सिफारिश करता हूँ हर एक को जो कि नये तौर से शुरु कर रहे है। यह तुम्हारे लिए वादा है तुम्होरे जीवन के हर टुकड़े को समेट कर नये रास्ते मे तुम बदल दो ।

जेरी फाल वेल, कानसलर, लिबर्टी युनिवर्सिटी , यह पुस्तक ढसार्सढ आदमी और वो मे भर पूर हो । यह शारिरिक, वेद शास्त्र द्वारा आत्मिक ता से मैदान मे हर क्रिस्टीन सारे उमर के उनकी यात्रा हो उनकी अदरुनी,

लूईस बुश इन्टरनैशनल डाईरेक्टर, 2000 ।एकझ

दानिएल हैरसन पुस्तक हमें यह गाहराई से सोचने और झाँकने में मदद करता है । हमारे राहो और रहन सहेना के बन्धन से

यह पुस्तक हमें नये तौर से हमें गहरे प्रश्नों को पूछने में क्यो हम ऐसा करते है। । हम क्या करते है। । मैं दानिएल को आज्ञा देता हूँ कि वह अपने जीवन

के सारे योजनाओ और उनकी अंदरुनी कार्यो में एक समय जब सब चर्चा करोगे तब इस पुस्तक को पढ़ने के लिए आश्वासन मिलेगा, इस चलते फिरते जीवन में ।

हैन्स फिंजल एकस क्यूटिव डाइरेक्टर,

ईटरनैश्नल,

दानिएल, ढीण हैंढरसन, सीनियर पास्टर है अरकाढ़ बैपटिस्ट चर्च मे सकरमन्टो, कालिफोर्निया,

पैट्रीशिया सी, रार्बटस फ्रीसैन्स राईटर है पोर्टलैढ और गन मे रहते है।

ेढझ 1 ए5729 034 9क्रिस्टियन लिविंग

9 781572 930346 कवर बय डिसाइन पईट इनक

इन मुख्य 7 प्रश्नो के जवानो को आप हमेशा देगे ।
1998 दानिएल हैंडरसन द्वारा सारे लिखितकता ओं ने रजिस्टरकिया है ।
डिस्कवरी हउस पब्लिशर्स ने अफीलिएटड् आर,बी,सी मिनिस्ट्रीज ग्रैंड् रैपिडस,
मिचिगन 4 9512
डिस्कवरी हउस बुक्स आर डिस्ट्रीब्यूटड् ट्रेड एक्सक्लूसिवली बय बारबर
बबलिशिंग, इनस, क्रिस्विल ओ एच 44683
अनलैस इडिकेटड् अदरवाइज, स्क्रिपचर इज फर्म द न्यू अमरिकन स्टैंडरड बाबिल
1960, 1962, 1968, 1971, 1972 लाक मैनफफाउन्डेशन, यूस्ड बय परमिशन

लाईब्रेरी आफ कौंग्रेस काटा लाजीगा इन पब्लिकेशन डेटा,
दानिएल हैंडरसन विर पैट्रीशिया राबर्टस
पी सी एम
इनक्लूडस बाइबलिओ ग्रफिकल रैफरन्स,
आई एस बी एन, 1 57293 034 9
क्रिस्टीयन लाईफ राबर्टस पैट्रीस्यिा, पैट्रीशिया सो ओ टाईटल
बी बी 4501 2 4 36981998
248 4 डीई 21
प्रिन्टड इन द युनाइटड स्टेटस आफ अमेरिका सी आई पा
00 02 01 99
सी एम जी
3579108642

सूचिका
प्रतिष्ठा
उन्नत
ठीक तरिके से
प्रश्न 1 कौन परमेश्वर है ?

प्रश्न2मै कौन हूँ ?

प्रश्न 3मै यहाँ क्यों हूँ ?

प्रश्न 4सच्ची समस्याएँ क्या है?

प्रश्न 5मै क्या करूँगा ?

प्रश्न 6मै इसे कैसे करूँगा ?

प्रश्न 7मै इसे कब करूँगा ?
1 द
2मै परमेश्वर मे क्या हूँ ?
3अरजी और चर्चा

नोटस

करसपान्डन्स

प्रतिष्ठा
मेरे, माता, पिता,जेम्स और हैलन हैडरसन, पिताजी, मै जानता हूँ कि आप
विश्वास योग्यदुख दर्द को सहनने वाले मनुष्य है । खुशियों को सच्चाईयों को जो
मुझे आप ने दिए है इसकेलिए मै धन्यवाद करता हूँ। मै आशा करता हूँ कि
माता जी एस पुस्तक पढेगी पर अब परलाक मे उनको यह आवश्यक नही है ।
यह पन्ना आपके मन मे आपको खुशि, दुख, दर्द मे खुशिये भरे और आपके
अकेले पन को दुर करे, आपने और माँ ने मुझे जीवन दिया है । और मुझे
सिखाया है कि जीना कैसे ।
मेरे माता पिता को प्यार "फ्रड और विविएन ब्रेवर

मै आशा करता हूँ कई लोगों को जो खागों में कवी बन जाते है । इस
वर्ष मे कई बार मेरे दिमाग मे यह घूमता रहा । उदय होने वाले युवा परिवार
में मुख्य आवश्यकता को धावा दे एक बड़े बिशप को मिनिस्ट्री नही दिखाई देती
उनके तरीके और पुस्तके लिखने में जो समय खर्च करते है ।
मै याद करता हूँ रे स्टैडमैन को दुहराते हुए सुना है । कौन कहता है?
कि एक मनुष्य किताब नही लिखता नही तो वह चालीस वर्ष होना चाहिए
उसके शब्दों में एक तनाव होना चाहिए। मै लिखई को मिनिस्ट्री में किी हाथियरों
से मारना नही जानता । यह लोगों का कोई झुंड नहीं है कि मन से चाहे।
यह प्राजैक्ट कोई भी सच्चाई को नही बनाता है। यह परमेश्वर में है । मैने
पिछले सप्ताह ही चालीस में पैर रखा जब कि इस पुस्तक की प्रतिष्ठा
परपरमेश्वर की सच्चाई सब समय पर होती है ।
उनका विश्वास उनकी अच्चाई कुछ रहन सहन में दिखती है पैट राबर्ट
जिनकी चाहता
उन्नत
हममें से बहुतों का जीवन चक्कर खाते हुए हवा की तरह है। जो कि यहाँ से
वहाँ हर दिन सच्ची समस्या के बारे न अधिक सोचे समझेदानिएल हैडरसन ने
हमें मार दिया कि कुछ समय लेकर अन्तिय जीवन को मृत्यु और अनदूरुनीवह सच्ची समस्याओं को

मैने सोचा कि मेरे लिए यह अच्छा है कि अपने जीवन को समाप्त कर
दूँ ताकि मै चाहता हूँ दुबारा इस दुनिया में अगले जीवन में एक छोटा बच्चा
रहा । हिन्दू शास्त्र के पैदाई को मेरे विचार से आत्म घात करना, मै आत्म घात
से डरना हूँ। जब कभी मेरे पिता द्वारा कहे शब्द आत्म घात के सूचना कुछ
भी परमेश्वर की जीवन को लेने का अधिकार है अब मै अच्छी तरह जानता हूँ
जो दिखाई न देने वाले परमेश्वर के हाथों ने इस भयानक पाप से मुझे बचा
लिया। डाकटरों ने पूरी तरह से मेरा निरीक्षण किया और कहा "इस लड़के कोई
बिमारी नही है। इसे अच्छी तरह से खनाचाहिए। इस पर मेरी माता जी रोई मेरे
लिए मुझे झट से मद्रास इलाज कराने ले आई । मुझे पूरी तरह से एक आनभवी

डाकटर ने गवर्मैन्ट जेनरल हस्पताल में पूरा परिक्षा करलिया । और उन्होंने भी
कोई भी रोग नही है कह दिया । मै जानता हूँ कि आत्मिक उदासी ही मेरे
स्वस्थ को अस्वस्थ बनाने का कारण था । एक दिन मेरा चचेरा भाई मेरे पास
आया और मुझे ईसा का जीवन वृतान्त की सभा मे ले गया। वहाँ परधार्मिक

उपदेश या, परमेश्वर किसी भी तरह के पापों को क्षमा क रते है उन्होने कहा अपने रक्त से तुम्हारे पापों को धो देगें उसके पास आओ और अपने पापों को स्वीकार करो। उनके रक्त पर विश्वास करो तब वह शान्ति, खुशी और आराम देगें।

अन्त मे शान्ति

अब तक मै अपने प्रयास मेरे अधिकार परनिर्भर था। पर परमेश्वर ने मुझे इस त्याग घरना को मेरे जीवन में दत्त होने के बारे मे बताया। कि यह अधिकार रहित है। मेरे जीवन में कुछ भी नही था जिसे विश्वास करता मुझे उस जिले में ले गया जहाँ कोई लाचार महत्व हीन मै ईसा के उपदेश के बारे कुछ न था । मैने इसे साधारण बच्चे की तरह विश्वास किया । एक परमेश्वर के सेवक ने मेरे सिर पर तेल मल कर फिस्त के नाम से मेरे स्वस्थ के लिए प्राथर्ना किया । मेरे अवगुणों की यादे चली गई और मेरा दुर्बल शरीर बल वन्त होगया आत्म घात की विचार फीका पड़वाया । मैने सोचा मै अपनी पढ़ाई पूरी नही कर सकता। पर परमेश्वर की सहायता से यूनिवर्सिटी मे बी.ए. ऊँचे दर्जे मे सफलता प्राप्त करने की कृपा की । मुझे जीवन देने वाली जीवित बेद शास्त्र मेरे पास है, जो मुझे प्राथर्ना करने मे चाहत देता है। नये सोच नया स्वस्थ ताजा दिमाग नया दिल हर चीज मुझ में नयी नयी पाई गई । क्यो कि मै परमेश्वर में हूँ मै नया सृष्टी का हो गया हूँ, पुराने सब दूर हो गए । देखा सब नये हो गए । मेरे पापी की बुद्धी मुझसे डर हो गई । क्योंकि परमेश्वर मेरे अधिकारी है। मै बच्चा जैसे या । मै दुबारा पैदा हुआ । मुझे अपने जीवन की समाप्त करने का जैसा कि घटना चक्र पैदर्शा मै घोषणा कर सकता हूँ । मेरी सच्चाई उत्सुकता परमेश्वरने

खुश, आराम, और शान्ति जो कि संसार नही दे सकताए मै बलि गान्ति समझ गया कि मोक्ष की पांना एक । ऐसा बड़ा कार्य है जो कि इसे पाने पर कोई भी कुछ नही कर सकता। यह बहुत अछमोल है यह परमेश्वर को देन है। परमेश्वर में हर एक अपने पापों को पूणर्त छोड़ दे परमेश्वर के रक्त परविश्वास करे अपने जीवन के मुख्य से उन्हे ग्रहण करे ।

एम. जी. सत्यानंदम,
सिकंद्राबाद. भारत
सेगस या बाईज़ मेने इन इन्डिया
योगिक पिजिकल पास्पूरस,
ब्रीतिंग एक्सर साईज.

भिन्न है कि परमेश्वर महत्व पूर्ण व्यति तुरन्त अगर वह महत्व पूर्णता से सौंप दिया। उसके और गुणों को भी ।

इन्सान के शीघ्र गर्भ से उनके अस्तित्व और निजी परमेश्वर के । अनेक विवाद का विषय रखना व्याख्यीत है आज अगर 100 साल पहले का ही है।

प्रश्न यह है कि कैसे एक धार्मिक संस्था चलाई जाती है ?

एक समय था । जब विध्यार्थी चाहते थे प्राणियो को । निकट से श्रद्धा की भावना से आत्माओ और अभ्यास जादुई कार्यो बहुत पहले इन्सान के धर्मो पर जबकि मानव क विकास इतिहास और धर्मों को खोजने की निलर थें । एक जर्मन के कवि ने विलतलम सकेमढेर सब रिकार्डो को एकता घर बेशुमार मानव विकास के नतीजे पर आए।

दुनिया मे बहुत कम लोंगे कन्वी मे है। इतनी कुछ पिगानी के लोग आस्ट्रेलियन, मूल निवासी, दक्षिणी कैलीफोनिर्या भारती आदीए वालो हर को कम से कम दूषित और असल धर्मो को

जादू में हमने उसको साफ बन्द एक ही परमेश्वर को है । और वास्तविक में छोटे मोहे जादू कुछ और कयि ।